अगस्त 2021

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

देश की स्वतंत्रता के 75 साल 50 पिछड़ों ने बांधी गांठ 46

आ रहे हैं अखिलेश 8

R.N.I. No. 68832/97

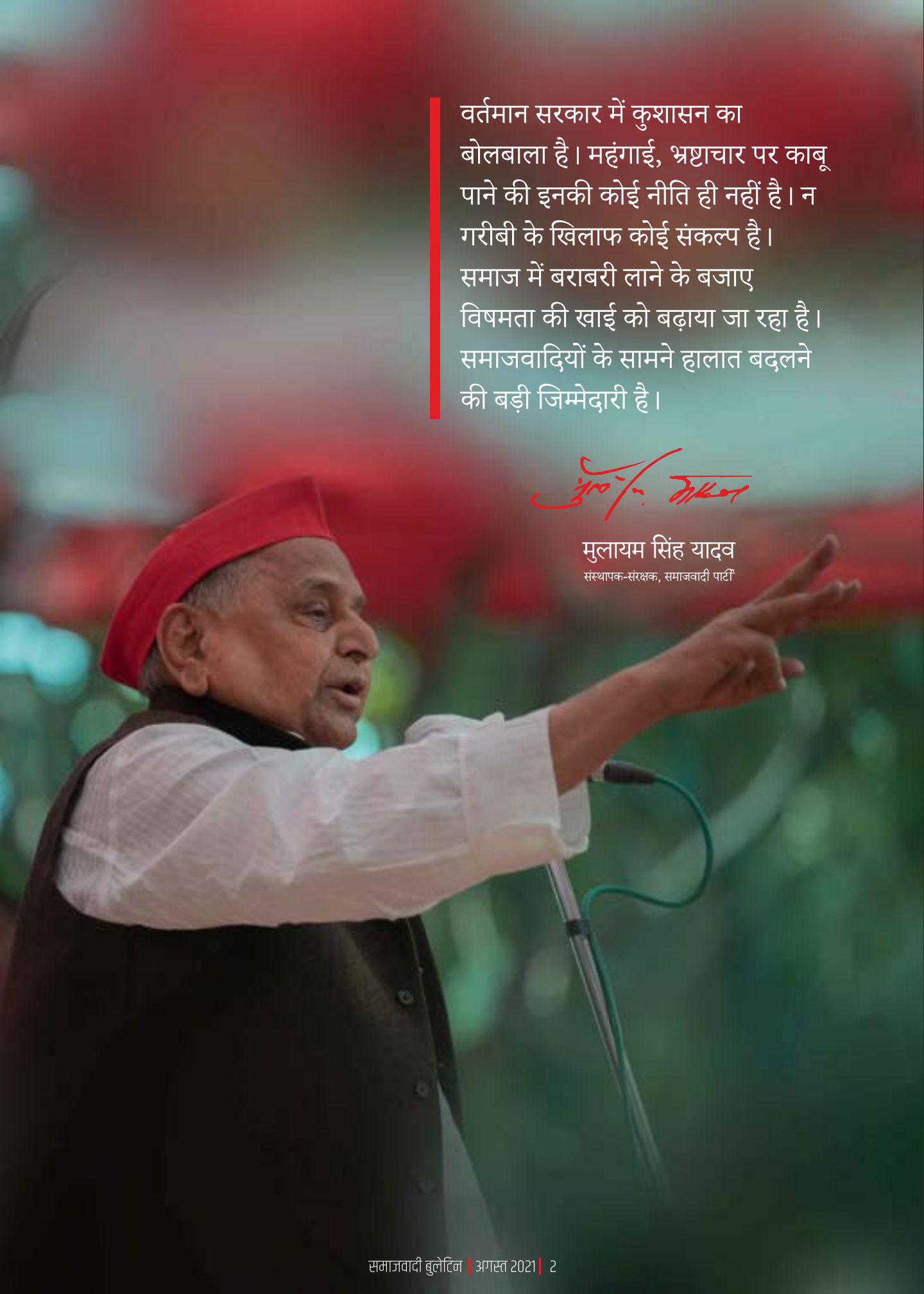

वर्तमान सरकार में कुशासन का बोलबाला है। महंगाई, भ्रष्टाचार पर काबू पाने की इनकी कोई नीति ही नहीं है। न गरीबी के खिलाफ कोई संकल्प है। समाज में बराबरी लाने के बजाए विषमता की खाई को बढ़ाया जा रहा है। समाजवादियों के सामने हालात बदलने की बड़ी जिम्मेदारी है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

अगस्त 2021

वर्ष 22 | संख्या 10

प्रिय पाठकों,

समाजवादी बुलेटिन आपकी अपनी पत्रिका है। इसके नए और बदले कलेवर को आप सबने सराहा है। आपका यह उत्साह वर्धन हमारी ऊर्जा है। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराते रहें। इसके लिए आप हमें नीचे दिए गए ईमेल पर लिख सकते हैं। कृपया अपना पूरा नाम, पता एवं मोबाइल नंबर जरूर दें। हम बुलेटिन को और बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेंगे। आपके संदेश की प्रतीक्षा रहेगी।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

देश की स्वतंत्रता के 75 साल 50

08 कवर स्टोरी **आ रहे हैं अखिलेश**

जनक्रांति व जनाक्रोश का जोर कवर स्टोरी 28

बाइस के लिए हैं तैयार हम! 36 पिछड़ों ने बांधी गांठ 46

आजम साहब को रिहा करने की मांग और तेज

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रामपुर के सांसद आजम खान की रिहाई की मांग तेज होने लगी है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उनकी रिहाई की मांग करते हुए कार्यक्रम कर रहे हैं। वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं ने 14 अगस्त 2021 को उनका जन्मदिन मनाया और उनके दीर्घायु होने की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि आजम खान साहब का खराब स्वास्थ्य के कारण लखनऊ के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जौहर विवि का गेट गिराने के आदेश पर रोक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद आजम खान साहब द्वारा रामपुर में स्थापित के जौहर यूनिवर्सिटी का गेट गिराए जाने के आदेश पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। रामपुर के डिस्ट्रिक्ट जज के आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाते हुए यूपी सरकार से जवाब मांगा है। जवाब दाखिल होने तक किसी भी तरह की कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है।

इस मामले में दर्ज मुकदमे में सरकारी जमीन पर कब्जा कर गेट बनाने का आरोप था। वहीं, आजम खान साहब की तरफ से दलील दी गई कि यूनिवर्सिटी की जमीन पर गेट बनाया गया है। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद गेट गिराने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा है। इस मामले में अब सितंबर महीने में अगली सुनवाई होगा।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव बीते दिनों रामपुर के अपने दौरे के क्रम में आजम साहब के परिजनों से मुलाकात के बाद वे मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी भी गए थे। जहां प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि अगर जौहर यूनिवर्सिटी पर कोई भी आंच आएगी तो उसके लिए पार्टी आजम खान साहब के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा था कि पूरी समाजवादी पार्टी आजम खान साहब एवं उनके परिवार के साथ लगातार मजबूती से खड़ी है।

श्री अखिलेश यादव ने तब कहा था कि यह सरकार जो अच्छी चीज या इमारत देख लेती है उसे गिरा देती है। यह सरकार विकास करने वाली नहीं बल्कि विनाश करने वाली है। भाजपा के लोग विकास को विनाश बनाते हैं क्योंकि उन्हें कोई सुंदर चीज अच्छी नहीं लग सकती। कोई भी अच्छी चीज होगी उसको तोड़ देंगे। जिन्होंने जिंदगी भर ठोकना-मारना सीखा हो उनसे पढ़ाई की उम्मीद क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे मुक़दमें लगा रही है, लेकिन जनता तैयार है। उसे जिस दिन मौका मिलेगा इस सरकार को हटा देगी। आजम खान साहब हमारी पार्टी के नेता हैं। हम उनके साथ हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जौहर यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को यह भरोसा दिलाया था की पार्टी और वह खुद श्री आजम खान के साथ खड़े हैं और वह लोग परेशान न हों।

मुरादाबाद में सपा कार्यकर्ताओं ने आजम खान साहब के समर्थन में जुलूस निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर उनकी रिहाई की मांग की। रिहाई की मांग को लेकर मशाल जुलूस निकालकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने राजनीतिक उद्देश्यों से आजम खान साहब पर फर्जी मुकदमे करवा रखे हैं। उनकी रिहाई जल्द से जल्द कर देनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा आजम खान साहब को रिहा किए जाने की मांग लगातार उठाई जा रही है। इस संदर्भ में सपा ने राज्यपाल को ज्ञापन भी सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि आजम खान को जल्द से जल्द रिहा किया जाए। ताकि उनका इलाज उनके परिजनों की देखरेख में हो पाए।

वहीं मुरादाबाद से सपा सांसद डॉ एसटी हसन ने लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला से

मुलाकात की। जिसमें उन्होंने आजम खान को रिहा किए जाने का मुद्दा उठाया। मिली जानकारी के मुताबिक आजम खान साहब की रिहाई के समर्थन में 10 अन्य पार्टी के सांसदों ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

उधर 14 अगस्त को समाजवादी पार्टी के कार्यककर्ताओं ने प्रदेश भर में आजम खान साहब का जन्मदिन मनाया। जौनपुर के खेतासराय में चेयरमैन के आवास पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने केक काटा। वह लखनऊ से जौनपुर आ रहे थे। तारापुर तकिया में तथा गौराबादशाहपुर स्थित समाजवादी कुटिया में भी आजम खान का जन्मदिन मनाया गया।

नगर क्षेत्र स्थित तारापुर तकिया में केक काटकर व मेधावी बच्चों को शिक्षा सामग्री वितरित करके आजम खान का जन्मदिन मनाया गया।

रामपुर में सपा कार्यकर्ताओं ने आजम खान

साहब का 73वा जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष केतकी गंगवार ने सरकारी अस्पताल के मंदिर में मोहम्मद आजम खान साहब की रिहाई एवं उत्तम स्वास्थ्य के लिए पूजा अर्चना की। इसके बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों को फलों का वितरण किया गया। इस दौरान सपा नेत्री ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी पर गलत तरीके से कार्रवाई कर सरकार उन्हें बदनाम करना चाहती है लेकिन सत्य कभी पराजित नहीं होता। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हमारे नेता हमारे बीच होंगे।

आजम खान साहब हमारी पार्टी के नेता हैं। हम उनके साथ हैं। पूरी समाजवादी पार्टी आजम खान साहब एवं उनके परिवार के साथ लगातार मजबूती से खड़ी है।

अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

फाइल फोटो

40

आ रहे हैं अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 5 अगस्त 2021 को समाजवादी पार्टी ने विधान सभा चुनाव 2022 के लिए अपने अभियान को और गति दी। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदेश भर में साइकिल यात्राएं निकलीं।

यूपी का ये जनादेश, आ रहे हैं अखिलेश के नारों के साथ पूरे प्रदेश में भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ समाजवादी पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने साइकिल यात्राएं निकाली। इन यात्राओं में आम जनता ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। उनमें गजब का उत्साह था। सड़कों पर समाजवादी पार्टी के लहराते झंडों के साथ साइकिलों का ही रेला दिखाई दे रहा था।

हजारों साइकिल यात्री प्रातः से ही सड़कों पर समाजवादी पार्टी का झण्डा लिए दिखाई देने लगे थे।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में निकली साइकिल यात्रा का नेतृत्व किया। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय से उनके नेतृत्व में निकली साइकिल यात्रा का लखनऊ की सड़कों पर आम जनता ने जगह-जगह भरपूर स्वागत किया। कहीं साइकिल यात्रियों पर फूलों की वर्षा हुयी और लाल-हरे रंग के गुब्बारे हवा में छोड़े गए तो कहीं ढोल-नगाड़े के साथ स्वागत किया गया। कई स्थानों पर लोगों ने श्री अखिलेश यादव को फूलमालाओं से लाद दिया। लाखों लोगों के हुजूम के बीच अखिलेश यादव जिन्दाबाद के गगनभेदी नारों से आकाश गूंजने लगा। साइकिल यात्रा के जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचने पर अखिलेश जी ने श्री जनेश्वर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांसुमन अर्पित किए।

अखिलेश जी के नेतृत्व में लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क तक चली साइकिल यात्रा को मिले जनसमर्थन से यह स्पष्ट हो गया कि उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से त्रस्त हो चुकी है

और वह श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए कृत संकल्प है। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में साइकिल यात्रा को सफल बनाने में पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मेहनत से यह साफ संकेत मिले कि उत्साह से लबरेज समाजवादियों की फौज चुनाव के लिए तैयार है और उसने अपने नेता श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कमर कस ली है।

लखनऊ में जहां स्वयं श्री अखिलेश यादव ने साइकिल यात्रा का नेतृत्व किया वहीं प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसकी अगुवाई की। पूर्व सांसद श्रीमती डिम्पल यादव ने कन्नौज में हरी झण्डी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया। प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने बरेली, नेता विरोधी दल विधान सभा श्री रामगोविन्द चौधरी ने रायबरेली, श्री रामजी लाल सुमन ने आगरा, राष्ट्रीय महासचिव श्री इन्द्रजीत सरोज ने प्रतापगढ़, श्री धर्मेन्द्र यादव पूर्व सांसद ने बदायूं, समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहाद ने अलीगढ़ और यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ सिंह, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप तिवारी ने भी झण्डी दिखाकर साइकिल यात्रियों को रवाना किया।

साइकिल यात्रा को सफल बनाने में पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत से यह साफ संकेत मिले कि उत्साह से लबरेज समाजवादियों की फौज चुनाव के लिए तैयार है और उसने अपने नेता श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कमर कस ली है

फिरोजाबाद में श्री अक्षय यादव पूर्व सांसद, रामपुर में पूर्व सांसद व वर्तमान

OKINAWA
B.N
ELECTRIC MOTORS

सपा 400 सीटें जीतेगी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर नाकाम रही है। जनता में भाजपा सरकार से बहुत नाराजगी है। भाजपा को इस बार प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिलेंगे। जनता में इतनी नाराजगी है कि हो सकता है समाजवादी पार्टी 350 के बजाए 400 सीटें जीत जाए। उन्होंने कहा कि जनता को कंफ्यूज करते-करते भाजपा खुद कंफ्यूज हो चुकी है। तभी अपनी पार्टी में अपराधियों का स्वागत कर रही है और जिस जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया था उसी के जासूसी कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने ये बातें 5 अगस्त 2021 को समाजवादी पार्टी कार्यालय से जनेश्वर मिश्र पार्क तक साइकिल यात्रा पर निकलने से पूर्व मीडिया से वार्ता करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि जनेश्वर मिश्र जी पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। आज उनके जन्मदिवस पर समाजवादी पार्टी मंहगाई, बेरोजगारी और कृषि के नए कानूनों के विरूद्ध सड़क पर उतरी है। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पर जब संकट आता था तब श्री जनेश्वर मिश्र जी बड़ी ही मजबूती से पार्टी के साथ खड़े हो जाते थे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार विज्ञापनों में नम्बर वन है, वह कुपोषण, गंगा किनारे लाशों को लकड़ी न देने में, गंगा में लाश बहाने में, दफन लाशों का कफन उतारने में, चिताओं को जलाने में नम्बर वन है। रेत में लाशें दबाने में, दवा की कालाबाजारी में, बिना इलाज मौते होने में नम्बर वन है। युवाओं का भविष्य बर्बाद करने में, महिलाओं की असुरक्षा में, फर्जी एनकाउण्टरों में, हिरासत में मौतों के मामले में नम्बर वन है। शिक्षक, अभ्यर्थियों, को पीटने में नम्बर वन, 16 सौ शिक्षकों को मौत के मुहाने में भेजने में नम्बर वन है। माननीय न्यायालय के आदेश न मानने में नम्बर वन है। अस्पतालों में बेड न दे पाने, ऑक्सीजन की कालाबाजारी में नम्बर वन है भाजपा ने किसानों से झूठे वादे किए कि उनकी आय दुगनी हो जाएगी। अपने

वादों से पलटने में नम्बर वन है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने जनता के हित में कोई काम नहीं किया। अब चुनाव आ रहा है तो वह पिछड़ों, दलितों के सम्बंध में झूठी घोषणाएं कर रही है, पर अब कोई उस पर भरोसा नहीं करता है। भाजपा ने पूरे साढ़े चार साल बर्बाद कर दिये। भाजपा की सरकार समाजवादी पार्टी के कामों के नाम बदल करके उद्घाटन कर रही है, खुद कोई काम नहीं किया। भाजपा सरकार में समाज के हर वर्ग का उत्पीड़न हुआ है। मिर्जापुर में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपना मेनिफेस्टो (चुनाव घोषणा-पत्र) लागू कर दिया है जबकि अभी तक ऐसा कुछ नहीं किया है। वह 'मनी फेस्टो' वाली पार्टी हो गई है। भाजपा में काम की संस्कृति ही नहीं है। कोरोना संक्रमण के दौरान हुई मौतों पर संवेदना व्यक्त करते हुए श्री अखिलेश यादव ने इस बात पर क्षोभ प्रकट किया कि बिखरे हुए दुःखी परिवारों की भाजपा सरकार ने कोई मदद नहीं की है।

विधायक श्रीमती तंजीम फातिमा, मैनपुरी में श्रीमती लीलावती कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष महिला सभा, इटावा में डाॅ राजपाल कश्यप प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, चित्रकूट में प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक सभा मान सिंह, वाराणसी महानगर में पूर्व मंत्री श्री उज्ज्वल रमण सिंह, चंदौली में श्री संजय चौहान, सोनभद्र में अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री व्यास जी गौड़, आजमगढ़ में पूर्व सांसद श्री जगदीश कुशवाहा, मऊ में पूर्वमंत्री मनोज पाण्डेय, सिद्धार्थनगर में पूर्वमंत्री श्री राम प्रसाद चौधरी, गोण्डा में श्री संतोष यादव सनी एमएलसी, बहराइच में पूर्व मंत्री श्री राकेश वर्मा, श्रावस्ती में श्री याशर शाह विधायक, बलरामपुर में श्री शशांक यादव एमएलसी, अयोध्या में प्रो बी. पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षक सभा, अम्बेडकर नगर में श्री राम सुन्दर दास निषाद एमएलसी, बाराबंकी में श्री दयाराम पाल पूर्व मंत्री, हरदोई में श्री संजय गर्ग प्रदेश अध्यक्ष व्यापार सभा, लखीमपुर खीरी में श्री नरेन्द्र वर्मा पूर्व मंत्री, उन्नाव में श्रीमती अन्नू टण्डन पूर्व सांसद, पीलीभीत में श्री भगवत शरण गंगवार पूर्व मंत्री, शाहजहांपुर में श्री सुनील यादव एमएलसी, मेरठ में स्वामी ओमवेश पूर्व विधायक, गाजियाबाद में श्री राजकुमार भाटी, बुलंदशहर में मौलाना यासीन उस्मानी राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा एवं नोएडा में श्री किरन पाल कश्यप पूर्व मंत्री सहित समाजवादी पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं ने विभिन्न जिलों में साइकिल यात्रियों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

फोटो फीचर

साइकिल यात्रा

अखिलेश यादव जिंदाबाद

जगेश्वर मिश्र जी

साइकिल

नयी हवा है
नयी सपा है

IT CITY

समाजवादी पार्टी

समाजवादी पार्टी

जनक्रांति व जनाक्रोश का जोर

महान दल एवं जनवादी पार्टी की यात्राएं

बुलेटिन ब्यूरो

श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2022 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) एवं महान दल द्वारा 1 6 अगस्त 2021 को प्रदेश के अलग-अलग दो हिस्सों से निकली यात्राओं को जबरदस्त जनसमर्थन मिला।

जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के संस्थापक डॉ संजय सिंह चौहान के संयोजन में "भाजपा हटाओ-प्रदेश बचाओ" जनवादी जनक्रान्ति यात्रा को 16 अगस्त को बलिया में नेता विरोधी दल श्री रामगोविन्द चौधरी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

उधर "महान दल ने ठाना है सपा सरकार बनाना है" का लक्ष्य लिये महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य के नेतृत्व में 16 अगस्त को शुरू हुयी जनाक्रोश यात्रा को पीलीभीत में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य के नेतृत्व में जनाक्रोश यात्रा को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। "महान दल

ने ठाना है, सपा सरकार बनाना है" के नारे के उद्घोष से जनता जनार्दन में अभूतपूर्व उत्साह है। कोरोना काल में सरकार की लापरवाही से आक्सीजन एवं जीवन-रक्षक दवाओं की कालाबाजारी, अस्पतालों में लूट, डीजल-पेट्रोल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के कारण कमरतोड़ मंहगाई, किसानों के साथ अन्याय, जाति और धर्म के आधार पर उत्पीड़न एवं फर्जी एनकाउण्टर, प्रदेश में व्याप्त अराजकता, पुलिसिया उत्पीड़न, भाजपाई गुण्डागर्दी, सरकारी विभागों में खुलेआम भ्रष्टाचार, शिक्षक भर्ती एवं निजी मेडिकल कालेजों में पिछड़े-दलित वर्गों का आरक्षण घोटाला, महिलाओं का शोषण और उत्पीड़न, रोजगार विरोधी नीतियों से जनता आक्रोशित है।

महान दल की यात्रा 16 अगस्त को पीलीभीत के बीसलपुर चीनी मिल से प्रारम्भ होकर, बरखेड़ा, गजरौला होते हुए रामलीला

जनवादी जनक्रान्ति यात्रा 16 अगस्त को बलिया एवं "महान दल ने ठाना है सपा सरकार बनाना है" का लक्ष्य लिये महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य के नेतृत्व में जनाक्रोश यात्रा पीलीभीत से शुरू हुई

मैदान में समाप्त हुयी। 17 अगस्त को यात्रा बरेली के जहानाबाद से शुरू होकर बहेड़ी, भोजीपुर, बिथरी चैनपुर होते हुए आंवला के केशव धाम में समाप्त हुयी। 18 अगस्त को बदायूं में बड़ानवादा उठी मोड़ से शुरू होकर रसूलपुर, बिनावर, खेड़ा नवादा, लालपुर चौराहा, तिलहरी, सैदपुर, रिसौलीगंज, परौली, मुथनी, अम्बिकापुर चौराहा, सिरसौल, संजरपुर बरी बाईपास, उझानी, खिरिया, ककोड़ा होते हुये कादर चौक पर समाप्त हुयी। 19 अगस्त को जनाक्रोश यात्रा का कछला पुल से नगरिया होते हुए कासगंज से नदरई में समापन हुआ। यात्रा का समापन 26 अगस्त 2021 को सैफई, इटावा में हुआ। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो राम गोपाल यादव भी मौजूद थे।

वहीं 2022 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार

बनाने के लिए जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के

संस्थापक डॉ संजय सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा हटाओ, प्रदेश बचाओ जनवादी जनक्रांति यात्रा 16 अगस्त को बलिया से शुरू होकर मऊ, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, प्रयागराज, प्रयागराज यमुनापार, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंची। यात्रा का रास्ते भर एवं गंतव्य तक पहुंचने पर जबरदस्त स्वागत हुआ।

इस यात्रा के माध्यम से तहत भाजपा सरकार की कुनीतियों, किसानों की समस्या, महंगाई, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न, फर्जी एनकाउण्टर, यूपी में विकास योजनाओं को अवरूद्ध किये जाने सहित अनेक मुद्दों से जनता को परिचित कराया गया।

बलिया समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय से शुरू हुयी यात्रा आगे चली तो सिकन्दरपुर में जनवादी पार्टी के कार्यक्रताओं की बैठक में अपार भीड़ उमड़ी। उसके बाद बलुआ बंगला में आयोजित चौहान सम्मेलन में एक मत से 2022 में श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। जनक्रांति यात्रा का गड़वार, नगरा, रसड़ा में भव्य स्वागत कार्यक्रम हुआ। 17 अगस्त को नदौली मऊ बार्डर और रतनपुरा में जनता ने उत्साह के साथ प्रदेश में सरकार बदलने के लिए यात्रा को समर्थन दिया।

18 अगस्त को गाजीपुर में जनक्रांति यात्रा के तहत चौहान सम्मेलन के आयोजन स्थल पर जिला प्रशासन ने मनमानी करते हुए कार्यक्रम कराने पर रोक लगा दिया। लेकिन कार्यकर्ताओं के जोश को देखते हुए चौहान सम्मेलन दूसरी जगह आयोजित किया गया। उपस्थित भारी भीड़ ने भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए जी-जान से जुटने का संकल्प लिया। गाजीपुर में समाजवादी पार्टी कार्यालय समता भवन में जनक्रांति यात्रा का स्वागत करने के लिए हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। यात्रा का नंदगंज, सहेड़ी, सैदपुर, सिधौना, कौड़िहार और कैथी में भव्य स्वागत हुआ। 19 अगस्त को जनक्रांति यात्रा का बनारस की जनता ने विशाल स्वागत एवं अभिनंदन किया। सारनाथ के चौहान धर्मशाला में चौहान समाज के वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों ने समाजवादी सरकार बनाने के लिये बूथस्तर तक सक्रियता बढ़ाने का संकल्प लिया।

जनक्रांति और जनाक्रोश यात्रा को जनता द्वारा मिले सहयोग एवं समर्थन से प्रदेश में बदलाव के स्पष्ट संकेत दिखने लगे हैं। भाजपा की कुनीतियों से आम आदमी त्रस्त है। कोरोना संकटकाल में लोगों की मौत की जिम्मेदार भाजपा सरकार है। जनता भाजपा सरकार के झूठे वायदों की सच्चाई जान गयी है। इसलिए भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा को जनता ने नकार दिया। प्रदेश में जंगलराज लाने वाली भाजपा का पतन शुरू हो गया है। जनता समाजवादी सरकार लाने के लिए उत्साहित है।

महान दल ने ठाना है अखिलेश जी को लाना है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दिनांक 8 अगस्त 2021 को महान दल का कार्यकर्ता सम्मेलन सम्मेलन हुआ जिसे बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य ने किया। प्रदेश कार्यालय के लोहिया सभागार में हुए इस सम्मेलन में ''महान दल ने ठाना है, समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है'' के गगनभेदी नारों से सभागार लगातार गूंजता रहा।

सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य ने कहा कि महान दल के कार्यकर्ताओं का एक ही संकल्प है। 2022 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। श्री केशव देव मौर्य ने कहा कि श्री अखिलेश यादव हम लोगों के नेता थे, है और हमेशा रहेंगे। उनके नेतृत्व में ही उत्तर प्रदेश पुन: विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान खत्म करना चाहती है। कोरोना के नाम पर भाजपा ने लोकतंत्र को कमजोर किया है। इस अवसर पर महान दल के वरिष्ठ नेताओं द्वारा श्री अखिलेश यादव को साइकिल प्रतीक चिह्न एवं गौतम बुद्ध की

प्रतिमा प्रदान कर आभार प्रकट किया गया। महान दल की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन शाक्य ने श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल की विकास योजनाओं को गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में महान दल के अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ताओं, सहयोगियों एवं समर्थकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दिया। श्री यादव ने कहा कि किसानों के समर्थन में समाजवादी पार्टी और महान दल की कासगंज में ऐतिहासिक रैली हुई थी। किसानों के सवाल पर चार साल से सत्ता में काबिज भाजपा इस प्रकार की एक भी कार्यक्रम नहीं कर सकी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि गौतम बुद्ध ने मानवता का जो रास्ता दिखाया था, बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से जिसे आगे बढ़ाया वही रास्ता समाजवादी पार्टी का है। भाजपा इसमें दीवार खड़ी कर अवरोध पैदा कर रही है। भाजपा सरकार में कुछ नकली लोग पद पर बैठे हैं। वे गड्ढे नहीं भर पा रहे है। ऐसे में हमारा सम्मान कहां कर पाएंगे? समाजवादी पार्टी और महान दल के कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करें तो 400 सीट का लक्ष्य पाया जा सकता है। दिल्ली और लखनऊ की भाजपा सरकार पिछड़ों के साथ धोखा कर रही है। पिछड़े-दलित समाज के साथ हो रहे अन्याय और अपमान की जिम्मेदार भाजपा सरकार ही है। केन्द्र की सरकार जातीय जनगणना नहीं करना चाहती है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि सभी जातियों की जनगणना हो। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सबसे

गौतम बुद्ध ने मानवता का जो रास्ता दिखाया था, बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से जिसे आगे बढ़ाया वही रास्ता समाजवादी पार्टी का है। भाजपा इसमें दीवार खड़ी कर अवरोध पैदा कर रही है

पहले जातीय जनगणना की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में कोई गांव ऐसा नहीं है जहां लैपटॉप नहीं बंटा है। समाजवादी सरकार में यूपी की खुशहाली और तरक्की के लिए जो विकास कार्य हुए थे उन्हें भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। यह विज्ञापन वाली सरकार है जिसका विकास से कोई संबंध नहीं है। मुख्यमंत्री जी की भाषा असंसदीय और गैरजिम्मेदार है। उन्होंने संकल्प-पत्र का पहला पन्ना नहीं पढ़ा है। भाजपा सरकार की कुनीतियों से अन्नदाता त्रस्त है। काले कृषि कानूनों से किसानों की जमीन छीनने का षड्यंत्र हो रहा है। भाजपा यह जमीन उद्योगपतियों को देना चाहती है। इसलिए भाजपा सरकार सत्ता के बलबूते बाजार पर कब्जा करना चाहती है। मौजूदा यूपी सरकार जनता के दुःखों के प्रति संवेदनहीनता का व्यवहार कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 में समाजवादी सरकार बनने पर किसानों, मजदूरों, गरीबों के साथ कोरोना संकटकाल में मृतकों के परिजनों की माननीय न्यायालय के आदेशानुसार मदद की जाएगी। वैश्विक महामारी में जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में रेमडेसिवीर इंजेक्शन और आक्सीजन की कालाबाजारी हुई यह सरकार के लिए शर्मनाक है। श्मशान और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार के लिए लोगों को लाइन लगानी पड़ी। गंगा में उतराती लाशों ने सरकार के दावों की पोल खोल दिया है। कोरोना काल में ध्वस्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पूरी तरह भाजपा सरकार जवाबदेह है। पंचायत चुनावों में शासन-प्रशासन ने खुलेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ायी।

उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। ठोको नीति चलाने वालों की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। बदलाव समाजवादी पार्टी से ही होगा।

महिलाओं और बहनों का भी सम्मान सुरक्षित नहीं रहा। 69 हजार शिक्षक भर्ती घोटाले का विरोध करने पर नौजवान लाठी खा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। ठोको नीति चलाने वालों की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। बदलाव समाजवादी पार्टी से ही होगा।

सम्मेलन को समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डाॅ राजपाल कश्यप एमएलसी ने भी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सर्वश्री रामकिशोर बिन्द पूर्व मंत्री, उदयवीर सिंह, अरविन्द कुमार सिंह, डाॅ असीम यादव, रामवृक्ष यादव, जे.पी. मौर्या, मदन सैनी, शिव कुमार यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सपा के प्रकोष्ठ
बाइस के लिए हैं तैयार हम!

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा चुनाव 2022 करीब आने के साथ ही प्रदेश में फिर से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पार्टी के प्रकोष्ठों ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। प्रकोष्ठों के पदाधिकारी लगातार बैठकें कर कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के साथ ही इन कार्यक्रमों को जमीन पर भी उतार रहे हैं।

हर बूथ तक पहुंचेगी महिला सभा

समाजवादी महिला सभा उत्तर प्रदेश की बैठक 12 अगस्त 2021 को समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय लखनऊ में हुई। जिसकी अध्यक्षता महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लीलावती कुशवाहा ने किया। बैठक में सभी बूथों पर दो महिला कार्यकर्ता तैनात किये जाने का निर्णय लिया गया। समाजवादी महिला सभा ने 2022 में श्री अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि समाजवादी पार्टी में ही महिलाओं का सम्मान सुरक्षित है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल में महिला सुरक्षा एवं प्रतिनिधित्व की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए थे।

समाजवादी महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लीलावती कुशवाहा ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने हमेशा महिलाओं की भागीदारी को मजबूत किया है। सदन और संगठन दोनों में आधी आबादी को समाजवादी पार्टी ने प्रमुख स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का चरित्र महिला विरोधी है। कमजोर परिवार की महिलाओं को मिल रही समाजवादी पेंशन और बेटियों को बेहतर शिक्षा के लिए कन्याधन योजना को उत्तर प्रदेश सरकार ने बंद कर दिया है। उत्तर प्रदेश में जंगलराज है। बहन-बेटियां डरी हुयी है। महिला असुरक्षा में उत्तर प्रदेश नम्बर वन हो गया है। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती जरीना उस्मानी ने किया।

इस अवसर पर मुन्नी पाल, नीलम यादव, नीरज तिवारी, सरोज, सुशील राजभर, सरोज मौर्या, संतोष कश्यप, पूनम मौर्य, रूकसाना, कंचन कन्नौजिया, अन्नपूर्णा राजपूत, ज्योति मैसी, गायत्री वर्मा, अफरोज जहां, अनीता श्रीवास्तव, पार्वती गौतम, पिंकी गौतम, तृप्ति अवस्थी, कृपा राम रानी प्रजापति, प्रभा चैधरी, अनीता द्विवेदी, चमन आरा, डा0 राजकुमारी धनगर, आस्था कुशवाहा, किरन कालिया, कमलेश परिहार, शीला गौतम सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ ने कहा, जातीय जनगणना हो

समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश की बैठक एक अगस्त 2021 को समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय में प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री व्यासजी गोंड की अध्यक्षता में हुई जिसमें जातीय जनगणना कराने की सरकार से मांग की गई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तथा मुख्य अतिथि श्री नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि जल, जंगल, जमीन से बेदखल हो रहे आदिवासियों को उनके हक समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर दिलाए जाएंगे। उनके हित में योजनाएं भी बनेंगी।

प्रदेश अध्यक्ष श्री गोंड ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे गांव-गांव घर-घर जाकर श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल की उपलब्धियों का प्रचार करें। बैठक में कई पदाधिकारियों ने समाज की गरीबी, भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न व संगठन की मजबूती पर चर्चा की।

बैठक में सर्वश्री पूर्व मंत्री बलराम यादव एवं समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहाद, अशोक कुमार गोंड, राणा प्रताप गोंड, प्रदीप पथरकट, डा0 विनोद भास्कर, आनन्द बिहार गिहार, शीला गोंड, कमलेश गोंड, हीरा गोंड, उजागिर गोंड, आशीष कुमार गोंड, मंजीत गोंड, रवीन्द्र बाल्मीकि, राधारमण चैधरी, राजेश कुमार गोंड आदि ने सक्रिय भागीदारी की।

समाजवादी व्यापार सभा करेगी मंडलवार सम्मेलन

समाजवादी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश राज्य कार्यकारिणी की बैठक 12 अगस्त 2021 को लखनऊ में हुई। जिसकी अध्यक्षता

समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री संजय गर्ग एवं संचालन प्रदेश महासचिव श्री अभिमन्यु गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष व्यापार सभा श्री संजय गर्ग ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों की व्यापार सभा संगठन को सभी विधानसभाओं में 30 अगस्त तक कार्यकारिणी समीक्षा का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है। सर्वसम्मति से सूबे के सभी 18 मण्डलों में सितम्बर में व्यापारी सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। व्यापारी सम्मेलनों में क्षेत्रीय व्यापारियों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। 2022 में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाने के लिए व्यापार सभा व्यापारियों के घर-घर जाकर भाजपा सरकार की पोल-खोल चैपाल आयोजित करेगी।

इस बार व्यापारी संकल्पित है कि भाजपा सरकार नहीं बनने देंगे। व्यापारियों के हित में समाजवादी सरकार ही जरूरी है।

समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश महासचिव श्री अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि इस बार व्यापारी संकल्पित है कि भाजपा सरकार नहीं बनने देंगे। व्यापारियों के हित में समाजवादी सरकार ही जरूरी है।

बैठक में प्रमुख रूप से समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सर्वश्री पवन मनोचा, प्रदीप जायसवाल, अजय सूद, मनोज पोरवाल, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अतीक अग्रवाल, यासिर सिद्दीकी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अंशुल गुप्ता, प्रदेश सचिव संजय बिस्वारी, कृपा शंकर त्रिवेदी, मनोज गुप्ता, सोनू कन्नौजिया, श्याम गुप्ता, मधुकर सिंघल, आशीष रस्तोगी, इफ्तिखार अली, विजय कुमार, शुभ गुप्ता, राजेश गुप्ता, पवन गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

समाजवादी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश ''व्यापारी जोड़ो और भाजपा की पोल खोलो'' अभियान के तहत लगातार व्यापारियों के बीच चैपाल व जिला स्तरीय सम्मेलनों को आयोजित करके हर जिले में सैकड़ों की तादाद में व्यापारी वर्ग को जोड़ रही है। सभी जिलों में व्यापारी 2022 में श्री अखिलेश यादव की सरकार बने इसका संकल्प ले रहे हैं। व्यापार सभा ने प्रदेश व्यापारी अभियान के तहत उरई में विशाल व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें झांसी, कानपुर व चित्रकूट मण्डल के लगभग 14 जिलों के व्यापारी शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने एक मत से 2022 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का शपथ लिया। सम्मेलन का संयोजन जिलाध्यक्ष जालौन व्यापार सभा श्री मनोज इकड़िया ने किया।

उधर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 14 अगस्त 2021 को प्रदेश के प्रमुख व्यापारियों की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी ईमानदारी से व्यापारियों का साथ निभायेगी। चंद पूंजीपतियों के लाभ के लिये भाजपा देशवासियों को धोखा दे रही है। व्यापारियों की सुरक्षा और मान-सम्मान सपा सरकार में ही सुरक्षित है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की अर्थनीति के कारण ही पूरी अर्थव्यवस्था ही रसातल में चली गयी है। सपा ही विकास के रास्ते पर चलती है। 2022 में समाजवादी सरकार बनने पर व्यापारियों की समस्याओं का अविलंब समाधान होगा। भाजपा के कारण विकास थम गया है। वह छद्म एजेंडे पर काम करती है। भाजपा चौतरफा जनता को लूटने में लगी है। खुदरा एवं छोटे व्यापारियों का जीवन भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। मंहगाई और भ्रष्टाचार से जनता बेहाल है।

इस अवसर पर प्रमुख व्यापारियों में सर्वश्री राकेश अग्रवाल, रामू गुप्ता, हरीश मुरारका, शिव कुमार सिंघानिया, रंजीत सिंह, नरेन्द्र मौर्या, सुमित गुप्ता, सुनील पाल, प्रदीप कुमार गुप्ता, नीरज वर्मा, डी पी सिंह, आरिफ मुहम्मद, पवन सिंह, जाहिद हुसैन, डैनी वेरियन, सुमित गर्ग, गुड्डू मिश्रा, संजीव अग्रवाल, कीर्ति द्विवेदी, शरीफ अहमद, चन्द्रशेखर गुप्ता, मोहित गुप्ता, श्यामजी केसरवानी, रामाकान्त, जावेद, करन गुलाटी, अमित अरोड़ा, संदीप मुरारका, पंकज सिंह सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

सपा में शामिल होने का सिलसिला जारी

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना तय मानते हुए विभिन्न दलों के हजारों नेता लगभग रोजाना समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। सपा में शामिल हो रहे इन नेताओं का कहना है कि उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए मतदान करने के वास्ते जनता तैयार बैठी है। इसके स्पष्ट संकेत हैं लिहाजा वे भी अखिलेश जी के नेतृत्व में काम करने के लिए सपा में शामिल हो रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में भरोसा करते हुए 7 अगस्त 2021 को बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस पार्टी छोड़ कर कई नेताओं व समाज के गणमान्य लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पंचायती निरंजनी अखाड़े के बाल योगी स्वामी महामण्डलेश्वर श्री सत्यात्मानंद गिरि भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुये।

सपा में शामिल होने वालों में श्री राजपाल सैनी पूर्व सांसद, श्रीमती काजल निषाद पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस गोरखपुर, जितेन्द्र कुमार पूर्व विधायक चकिया, तूफानी निषाद राष्ट्रीय

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी ने दिया आशीर्वाद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से दिनांक 30 जुलाई 2021 तो ज्योतिर्मठ बदरिका आश्रम तथा शारदा पीठ के पूज्य शंकराचार्य श्री स्वामी स्वरूपानंद जी के शिष्य प्रतिनिधि ब्रह्मचारी रामानंद जी ने भेंट की और 2022 में श्री अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का शंकराचार्य जी द्वारा दिए गए आशीर्वाद की जानकारी दी।

ब्रह्मचारी रामानंद जी ने बताया कि पूज्य शंकराचार्य श्री स्वामी स्वरूपानंद जी का मानना है कि श्री अखिलेश यादव में राज्य को संभालने की क्षमता है। वे लोकप्रिय हैं और जनता उन्हें ही 2022 में मुख्यमंत्री चुनेगी। श्री अखिलेश यादव ने पूज्य शंकराचार्य श्री स्वामी स्वरूपानंद जी के आशीर्वचन के लिए आभार जताते हुए उनका श्रद्धापूर्वक नमन किया।

ब्रह्मचारी रामानंद जी ने श्री अखिलेश यादव को पूज्य शंकराचार्य श्री स्वामी स्वरूपानंद जी की ओर से शिवलिंग, स्फटिक एवं रुद्राक्ष की माला तथा शाल भेंट किया। ब्रह्मचारी रामानंद जी ने श्री अखिलेश यादव को व्यवहार कुशल एवं सादगी पसंद निष्ठावान नेता बताया। उन्होंने कहा कि श्री यादव की बेदाग छवि की वजह से सभी उन्हें पसंद करते हैं। उनके नेतृत्व में राज्य का कल्याण हो सकता है।

महासचिव फिशरमैन कांग्रेस, अरुण कुमार निषाद प्रदेश सचिव निषाद पार्टी, मोहम्मद हकीम आर्या चेयरमैन सिद्धौर बाराबंकी, राम निवास पाल, जितेन्द्र त्रिपाठी प्रमुख थे।

जनपद गोरखपुर बांसगांव के जिला पंचायत सदस्य डाॅ प्रभुनाथ सोनकर व उनके अनेक समर्थकों ने 14 अगस्त 2021 को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में सर्वश्री आशुतोष सोनकर, विकल्प सोनकर, निखिल सोनकर, विक्रांत सोनकर, पंकज पटेल, आनंद पटेल, अख्तियार आलम, अनिल यादव, आलोक सिंह तथा अंकित सोनकर प्रमुख थे। इनके अलावा जनपद जालौन के जनता दल (यू) के नेता आमीन खां, चतुर सिंह निरंजन, डाॅ वीरेन्द्र निरंजन व संजय रेड्डी पटेल सपा में शामिल हुए।

13 अगस्त 2021 को मऊ जनपद के सर्वश्री विनोद कुमार पाण्डेय अध्यक्ष बार एसोसिएशन मऊ, त्रिलोकी प्रसाद, राम प्रसाद यादव पूर्व संगठन मंत्री बसपा, संजय भारती पूर्व बामसेफ संयोजक, रामकेश्वर प्रसाद, कमलेश कुमार, धर्मेन्द्र सोनकर, मोनू सोनकर, अश्वनी उर्फ नन्हें चौधरी पूर्व जिला पंचायत सदस्य, राजेश जायसवाल एवं भाजपा के श्री प्रेमपाल गुर्जर पूर्व जिला पंचायत सदस्य (शाहजहांपुर) भी सपा में शामिल हुये।

दिनांक 28 जुलाई 2021 को अपना दल के संस्थापक सदस्य सर्वश्री राज बहादुर पटेल व श्री सुधीर कुमार पटेल मिर्जापुर ने भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनके अलावा राजेश गुप्ता अखिल भारतीय प्रधान संगठन महामंत्री बरेली, संजीव मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय प्रधान संगठन मण्डल, अजय वर्मा

सिंह, वेदपाल यादव, राजीव कटियार, राजीव यादव, गिरीश पाल शंखवार, कप्तान सिंह कुशवाहा, रामवीर, हरिनन्द मिश्रा नरवीर सिंह भी सपा में शामिल हुए।

बरेली के वरिष्ठ बसपा नेता एवं पूर्व डीएफओ डा॰ नसीम अहमद और उनके तमाम साथी दिनांक 27 जुलाई 2021 को समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। वहीं दिनांक 22 जुलाई 2021 को आजमगढ़ के श्री अनिल कुमार वर्मा एडवोकेट और चंदौली के श्री साहिब सिंह मौर्य सदस्य जिला पंचायत बसपा छोड़ कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। फतेहपुर के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी श्री राजेन्द्र सिंह लोधी भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

पिछड़ों ने बांधी गांठ...

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा की जा रही लगातार उपेक्षा से पिछड़ी जातियों में गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी हमेशा ही पिछड़ी जातियों के हक में खड़ी रही है एवं इस तबके के हितों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करती रही है। लिहाजा भाजपा सरकार की पिछड़ी जातियों के प्रति उपेक्षा के भावों का कच्चा चिट्ठा पिछड़ी जातियों के बीच खोलने का काम भी सपा ही कर रही है।

पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की ओर से हो रहे कार्यक्रमों के प्रति पिछड़ी जातियों के बीच भारी उत्साह है एवं इन कार्यक्रमों को भरपूर समर्थन मिल रहा है। पिछड़ी जातियों के इस रवैए से स्पष्ट संकेत है कि समाज के इस तबके ने यह बात गांठ बांध ली है कि भाजपा द्वारा की जा रही उपेक्षा का करारा जवाब 2022 के विधानसभा चुनाव में देना है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप के नेतृत्व में अगस्त क्रान्ति दिवस से विभिन्न जिलों में पिछड़ा वर्ग सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

इसके अंर्तगत 9 अगस्त को कानपुर नगर, 10 अगस्त को वीरांगना फूलन देवी के गांव

में उनके जन्मदिन के अवसर पर कानपुर देहात, जालौन, 11 अगस्त को झांसी, 12 अगस्त को महोबा, 13 अगस्त को हमीरपुर, 14 अगस्त को कानपुर ग्रामीण में आयोजन किया गया। फतेहपुर के जहानाबाद विधान सभा में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन के साथ इस कार्यक्रम का समापन होगा।

इससे पहले 7 अगस्त 2021 को मंडल दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने मंडल कमीशन को पूर्ण रूप से लागू कराये जाने को लेकर महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम ज्ञापन सौंपा। उल्लेखनीय है कि 7 अगस्त 1990 को "मण्डल कमीशन" की रिपोर्ट लागू करने की घोषणा हुई थी। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने इसी दिन को मंडल दिवस के रूप में मनाया।

इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप ने कहा कि दुर्भाग्यवश पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए गठित मण्डल कमीशन की समस्त संस्तुतियां अब तक लागू नही की गयी है जिसके चलते इन वर्गों को उचित हिस्सेदारी नहीं मिल पाई है।

मंडल दिवस पर मण्डल आयोग की सिफारिशों की चर्चा करते हुए पूरे राज्य में लोगों को जागरूक किया गया तथा जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को मण्डल आयोग की समस्त सिफारिशों को लागू करने हेतु संबोधित ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा संविधान की मूल भावना के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, आरक्षण

ओबीसी आरक्षण बढ़े
जातीय जनगणना करवाई जाए

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में अपने वक्तव्य में भाजपा पर ओबीसी वर्गों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाया जाए और जातिगत जनगणना करवाई जाये।

लोकसभा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित 'संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021' पर चर्चा में भाग लेते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर इतना महत्वपूर्ण विधेयक पारित हो रहा है तो उसी के साथ आरक्षण की सीमा को बढ़ाया जाए। जातिगत जनगणना करवाई जाये। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना करवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि पिछड़ों और दलितों को भाजपा ने सबसे ज्यादा गुमराह किया है। भाजपा ने जातियों के बीच मतभेद पैदा किए हैं। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कुछ चेहरे आगे किये और कहा कि मुख्यमंत्री ओबीसी समुदाय से होगा लेकिन जब मुख्यमंत्री बना तो कौन बना?

श्री अखिलेश यादव ने इस बात पर जोर दिया कि सब जातियों को गिन लिया जाए। सबको लगता है कि, वो संख्या में ज्यादा हैं, लेकिन उनकी उपेक्षा हो रही है। ऐसे में जनगणना क्यों नहीं होती? उन्होंने कहा कि यह सरकार न भूले कि उसे पिछड़ों ने यहां बैठने का मौका दिया। जिस दिन पिछड़े और दलित हट गए, उस दिन पता नहीं चलेगा कि आप कहां चले जाएंगे।

समाप्त किया जा रहा है, पिछड़े, दलित, आदिवासी अल्पसंख्यक और महिलाओं के साथ अन्याय और अत्याचार चरम सीमा पर है। सरकार की गलत नीतियों के चलते पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यकों के अधिकार खतरे में हैं। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव ने मण्डल कमीशन की नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया था। उस 27 प्रतिशत आरक्षण में भी वर्तमान सरकार पिछड़ों की अनदेखी कर रही है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि मण्डल कमीशन की सभी सिफारिशें लागू करते हुए पिछड़ों के हक और सम्मान की रक्षा हेतु महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये जाएं, जातीय जनगणना कराई जाए, आबादी के अनुपात में सभी को हिस्सेदारी दी जाए, आरक्षित वर्गों को बैकलाग भर्ती शुरू करके नौकरियां एवं सुविधाएं दी जाए, 10 हजार सीटों का नुकसान हुआ है उसकी क्षतिपूर्ति के लिए व्यवस्था की जाए। निजी क्षेत्रों में भी मण्डल कमीशन की रिपोर्ट लागू कर आरक्षण का

जिलाध्यक्ष को आर्थिक मदद

अयोध्या के मयाबाजार ब्लाक प्रमुख चुनाव में नामांकन के दिन भाजपा द्वारा की गयी हिंसा में घायल सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष त्रिभुवन प्रजापति के इलाज के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 25 हज़ार रुपए का चेक भिजवाया। सपा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री इन्द्रपाल यादव ने यह चेक श्री प्रजापति को उनके घर जा कर सौंपा। इस मौके पर पार्टी के रामसागर यादव, बालचंद पाल एवं रामप्रवेश आदि मौजूद रहे।

शिक्षक भर्ती में आरक्षण से वंचित किए गए ओबीसी अभ्यर्थी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से 22 जुलाई 2021 को आंदोलनरत अभ्यर्थी शिक्षकों ने भेंट की और उन्हें शिक्षक भर्ती की जारी चयन सूची में अनियमितता की वजह से अन्य पिछड़े वर्ग के लगभग 15 हजार अभ्यर्थियों के चयन प्रक्रिया से बाहर होने के सम्बंध में ज्ञापन सौंपा। शिक्षक अभ्यर्थियों ने बताया कि शासन-प्रशासन कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। अपने हक की आवाज उठाने पर उन पर लाठियां बरसाई गई।

श्री अखिलेश यादव से मिलकर अभ्यर्थी शिक्षकों के नेता सर्वश्री विजय प्रताप, अमरेन्द्र सिंह, मनोज प्रजापति, लोहा सिंह पटेल, राहुल मौर्य आदि ने कहा कि जब वे मुख्यमंत्री जी से बात करने गए तो उन पर लाठियां चलीं। उनकी मांग है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट लागू करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग को प्राप्त संविधान प्रदत्त 27 प्रतिशत आरक्षण देकर नियुक्ति प्रदान की जाए। उनका भरोसा अखिलेश जी पर है। इसी भरोसे से वे उनसे मिलने आए हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने शिक्षक अभ्यर्थियों से कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय के विरूद्ध षडयंत्र कर रही है। जिनका हक है उनको वंचित किया जा रहा है। भाजपा कभी निष्पक्ष ढंग से काम नहीं कर सकती है। वह किसी को हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। वह लोगों को प्रताड़ित करती है।

श्री यादव ने कहा कि अभ्यर्थी शिक्षकों की समस्या के समाधान के बजाय भाजपा सरकार उन्हें डराने-धमकाने का काम कर रही है। उसका यह कृत्य अलोकतांत्रिक और अन्यायपूर्ण है।

लाभ दिया जाए व लेटरल इन्ट्री बन्द हो

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की दस दिवसीय जनपद समीक्षा बैठक, पिछड़ा वर्ग सम्मेलन एवं चौपाल कार्यक्रम 23 जुलाई 2021 से शुरू होकर एक अगस्त तक चली। विभिन्न स्थानों पर निषाद समाज के अलावा पिछड़े वर्ग के लोग बड़ी संख्या में स्वागत में उमड़े।

सुल्तानपुर, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही एवं प्रयागराज जनपद के सभी विधान सभाओं में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डाॅ राजपाल कश्यप ने 2022 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए बूथ स्तर पर जी-जान से जुट जाने की अपील की।

स्वागत में वाराणसी में दशाश्वमेध घाट से अस्सी घाट तक मल्लाहों ने नाव की यात्रा निकाली। निषाद समुदाय के लोगों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए श्री अखिलेश यादव के नाम अपील पत्र सौंपा। श्री कश्यप ने मछुआरा समाज को आश्वासन दिया कि समाजवादी सरकार बनने पर नावों की खरीद के लिए लोन और सब्सिडी सुनिश्चित की जायेगी।

सोनीभद्र एवं मिर्जापुर पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में डाॅ कश्यप ने निषाद राज की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पौराणिक शीतला मंदिर में दर्शन किया। इस मंदिर में निषाद पुजारी की ही मान्यता है। वहां श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए हवन-पूजन हुआ। मिर्जापुर-भदोही में स्थानीय लोगों ने वहां की पूर्व सांसद फूलन देवी की स्मृति में भव्य स्मारक बनाने की मांग की। प्रयागराज में संगम पर नाविकों ने मोटर बोट के खिलाफ मांग पत्र भी दिया। श्रृंगवेरपुर में निषाद राज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर घोषणा की गई कि समाजवादी सरकार बनने पर भव्य स्मारक बनाया जायेगा।

*भारत की आजादी के 75 साल हो गए। इन बीते साढ़े सात दशकों में देश ने कई उतार-चढ़ाव देखे। देश की युवा पीढ़ी के अपने सपने हैं। उनकी अपनी प्राथमिकताएं हैं। वहीं एक तबका राष्ट्रवाद की भी अपने तरीके से व्याख्या करने लगा है। देश की स्वतंत्रता के 75 साल के अवसर पर पेश है **समाजवादी बुलेटिन** की खास पेशकश। जिसके अंतर्गत पढ़िए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री अखिलेश यादव** का संदेश। साथ में राष्ट्रवाद एवं युवाओं के संदर्भ में आजादी के मायनों पर दो **विशेष लेख:***

75 वां
स्वतंत्रता दिवस

प्रिय देश-प्रदेशवासियों

आज एक विशेष 'स्वतंत्रता दिवस' है, जिसकी विशेष बधाई और शुभकामनाएं! यूँ तो हर 15 अगस्त को हमारे देश का स्वतंत्रता दिवस आता है लेकिन इस बार हम अपनी आज़ादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं अर्थात हम अपनी आज़ादी की 'तीन चौथाई सदी' में प्रवेश कर रहे हैं, इसीलिए ये एक विशेष स्वतंत्रता दिवस है। हर विशेष दिवस, हमें सर्वश्रेष्ठ संकल्पों की ओर प्रेरित करता है इसीलिए आज आपसे और अपने आपसे संवाद कर नये संकल्प धारण करने का अवसर है, जिससे अपने देश और अपने देशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हम अपनी प्रतिबद्धता को दोहरायें भी और नये संकल्प उठाएं भी :

लें नव संकल्प और बनाएं नया कल

आज नया युग है, इसीलिए सरकारों का स्वरूप भी बदलना चाहिए। सरकार को शासक नहीं, जनता की सेवा करने वाले एक 'सर्विस प्रोवाइडर' अर्थात एक 'सेवाप्रदाता' की तरह काम करने का संकल्प लेना होगा। ऐसा करके ही हम जनहित में जनता की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए काम कर सकते हैं और करेंगे भी।

हमारा हर काम जनता को समर्पित होना चाहिए और होगा भी।

मिलिट्री स्कूल मेंअपनी शिक्षा के दौरान देश के लिए जीवन समर्पित करने का जो पाठ पढ़ा, वो आज भी याद है और सदैव रहेगा। मिलिट्री स्कूल में ही अनुशासन का वो पाठ भी पढ़ा, जिसने सिखाया कि चाहे व्यक्तिगत जीवन हो, सामाजिक या राजनीतिक; सभी जगह अनुशासन को महत्व दो। अनुशासन में किसी भी प्रकार का विचलन न तो स्वीकार करो, न ही उस पर चुप रहो, हर अराजक तत्व के ख़िलाफ़ मुखर हो। यही अनुशासन राजनीति में **'अनुशासन से शासन'** के प्रेरणा वाक्य को जन्म दे गया, यही क़ानून-व्यवस्था प्राथमिकता देने के मामले में अपराध को ख़त्म करने की ताक़त भी बना और आगे भी बनता रहेगा, ये मेरा आपसे और अपने आपसे एक वचन है।

-

हमारा एक शाश्वत संकल्प समाज के बीच स्नेह और सौहार्द को बढ़ाना भी है। हम समाज में हर तरह के भेदभाव को 'पहले न्यून करने फिर शून्य करने' का प्रयास निरंतर करते रहेंगे। ये तभी संभव होगा जब समाज के सभी लोगों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले और अपने अधिकारों का मंच भी। डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, वकील, आईटी व अन्य प्रोफेशनल्स आगे आएं और हमारा साथ दें। नागरिकों को अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए और अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों की पूर्ति के लिए जन सेवक बनना होगा, इसीलिए हम हर प्रतिबद्ध नागरिक और विश्वभर में रह रहे भारतवासियों को एक जनसेवक के रूप में अपने इस आंदोलन से जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं:

है जनसेवकों के लिए सपा का ये ऐलान ~ सब आएं, सबको स्थान, सबको सम्मान

हमें जन-जन की मदद का संकल्प लेना होगा। आज समाज में सब परेशान हैं। राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक व मानसिक हर तरह से, अब से पहले जनता इतनी परेशान कभी नहीं रही। अपमानित किसान, मज़दूर, ग़रीब, महिला, दलित, दमित वंचित, पिछड़े और बेरोज़गार युवा, बेहाल व्यापारी-कारोबारी, रेहड़ी-पटरीवालों व उद्योगपतियों के साथ-साथ शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी, प्रशासन-पुलिस, मीडिया हर कोई त्रस्त है। वर्तमान में हमारे किसान भाइयों, हमारे अध्यापकगणों, माताओं-बहनों, नौकरी-भर्ती की माँग करते युवाओं, शिक्षामित्रों, आशाबहनों, सच्चे पत्रकारों व राजनीतिज्ञों का जो उत्पीड़न हुआ है, वो असहनीय है। आज खाने-पीने के सामानों, बिजली, गैस सिलेंडर, डीज़ल-पेट्रोल की महँगाई व घटती ब्याज दरों से निम्न आय वर्ग के साथ ही मध्य वर्ग व वरिष्ठ नागरिक भी बेह ददुखी हैं। बढ़ती महँगाई व घटती कमाई का बुरा असर सब पर है।

कोरोना की मार से जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनकी पीड़ा और कोई नहीं जान सकता। इस बदहाली-बेकारी और दमन की प्रताड़ना को कम करने व लोगों का दुख-दर्द बाँटने के लिए हमें लोगों से **सम्पर्क, संवाद, सहयोग, सहायता** अर्थात **मुलाक़ात, मेल-मिलाप, मदद** का **'जनसेवा-सूत्र'** एक संकल्प के रूप में याद रखना होगा, इसी लिए आज हम लोगों तक पहुँचने का नया संकल्प लेते हैं:

पहुँचें हर घर-द्वार~ सपा के मददगार

इन हालातों में जनता परिवर्तन और बदलाव का नया संकल्प धारण कर चुकी है। आज अगर हम प्रथम व सार्थक विकल्प के रूप में जनता के बीच फिर से उभरे हैं तो उसके पीछे हमारे समय के वो काम हैं जो आज भी लैपटॉप लिए उन युवाओं की आँखों में गौरव की तरह दिखते हैं जिनकी योग्यता का सम्मान हमने लैपटॉप वितरित करके किया था। साथ ही हमारे समय में जनता के लिए बने एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एलिवेटेड रोड, हाइवे, फ़्लाई ओवर, शहरी-ग्रामीण सड़कें, नये कॉलेज व मेडिकल कॉलेज, एम्स, हॉस्पिटल; बिजली उत्पादन को अभूतपूर्व बढ़ावा; किसानों की आय बढ़ाने के लिए बनी मण्डियाँ, किसान बाज़ार, किसान एवं सर्व हित बीमा योजना, कामधेनु योजना, लोहिया आवास योजना; हुनर को आय में बदलने के लिए बनी ओडीओपी का समुचित विकास; स्वस्थ पर्यावरण देने के लिए बने पार्क, रिवरफ़्रंट; युवाओं को रोज़गार देने के लिए लगे नये कल-कारख़ाने व आईटी पार्क व खेलकूद को बढ़ावा देने वाले स्टेडियम व स्पोर्ट कॉम्पलेक्स; कलाकारों, समाजसेवियों, पत्रकारों व पेशेवरों की योग्यता को मान देने वाले यश भारती सम्मान; महिलाओं, ग़रीबों व वंचितों के लिए चलायी गयीं विभिन्न आर्थिक सहायता व पेंशन योजनाएं और कठिन समय में काम आने वाली 'यूपी 100' पुलिस डॉयल सेवा तथा निःशुल्क '108 एंबुलेंस सेवा' व बहनों-बेटियों की सुरक्षा के लिए समर्पित '1090' सेवा और जनहित की अन्य योजनाएँ, ये सब ऐसे जनहितकारी काम है, जिनको आगे बढ़ाने लिए जनता हमें फिर से चुन रही है। हमें संकल्प की तरहआगे भी यह स्मृत रखनाहोगा :

सपा का काम ~ जनता के नाम

तो आइये बदलाव की इस बयार को परिवर्तन की आंधी में बदल दें और **'नव उप्र' 'न्यू यूपी'** के निर्माण के लिए और उसके चतुर्दिक विकास के लिए **'बाइस में बाइसिकल'** का संकल्प धारणकर आगे बढ़ें और जनता की ख़ुशी-ख़ुशहाली और भलाई के लिए काम करने वाली सपा के नेतृत्व वाली जनहितकारी और परिवारवालों का दर्द समझने वाली सरकार बनाने के लिए गर्व से कहें:

नयी हवा है ~ नयी सपा है

बड़ों का हाथ ~ युवा का साथ

बड़ों के आशीर्वाद और युवाओं के साथ का आकांक्षी...

आपका अखिलेश

समाजवादी पार्टी

22 में बाइसिकल

भारतीय राष्ट्रवाद का स्वरूप

रविकान्त
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी, लखनऊ विवि

आजादी की 75वीं वर्षगांठ के ठीक एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया गया। आधिकारिक रूप देते हुए सरकार ने इस दिवस को प्रतिवर्ष मनाने का ऐलान किया है।

आजादी के 75वें साल में विभाजन को याद करने और उसे मनाने का औचित्य क्या है? क्या इसके पीछे इतिहास से सबक लेने की मंशा है? देश का विभाजन और इससे उपजी त्रासदी निश्चित तौर पर आजाद भारत के लिए एक मुश्किल घड़ी साबित हुई। विभाजन के समय करोड़ों लोग पलायन के लिए मजबूर हुए और लाखों लोग मारे गए। भारत-पाकिस्तान विभाजन से एक राष्ट्र का सपना ही चकनाचूर नहीं हुआ, बल्कि सांप्रदायिक हिंसा, कत्लेआम, बलात्कार जैसी त्रासद घटनाओं से आजादी का जश्न भी फीका हो गया।

यही कारण था कि आजादी के जश्न को छोड़कर सरहदों पर सांप्रदायिक पागलपन मिटाने के लिए महात्मा गांधी दिल्ली से बहुत दूर वर्तमान बांगलादेश के नोआखली में थे। गौरतलब है कि गांधी के साथ डॉ राममनोहर लोहिया भी सांप्रदायिक वैमनस्व मिटाने और झुलसती मानवता को बचाने के लिए नोआखली में मौजूद थे। लोहिया के इस योगदान को इतिहासकारों ने नजरअंदाज कर दिया है। गांधी और लोहिया अहिंसा और सद्भाव जैसे नैतिक मूल्यों से हिंसा और नफरत का मुकाबला करते हुए सांप्रदायिक पागलपन को दूर करने में सफल हुए। अब गांधी दिल्ली से लेकर पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों में पसरे सांप्रदायिक पागलपन को दूर करने और परस्पर विश्वास बहाल करने के लिए जाना चाहते थे लेकिन 30 जनवरी 1948 को दिल्ली में गांधी खुद हिंदू सांप्रदायिकता के शिकार हो गए।आरएसएस के सदस्य रहे और सावरकर के चेले नाथूराम गोडसे ने गांधी जी

की हत्या कर दी।

14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने के पीछे एक गहरी राजनीति है। विभाजन के दंश और उनकी स्मृतियों को गाढ़ा करते हुए मोदी सरकार अपने दक्षिणपंथी ऐतिहासिक विमर्श को आगे बढ़ाना चाहती है। मोदी सरकार इसके सहारे भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण के लिए सिर्फ मुसलमानों को गुनहगार साबित करना चाहती है। जबकि सच्चाई यह है कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे दक्षिणपंथी हिंदुत्ववादी संगठन भी विभाजन के लिए उतने ही गुनहगार थे जितने कि मुस्लिम लीग। दरअसल, भारत को हिंदू और मुस्लिम दो कौमों के आधार पर दो राष्ट्रों का सिद्धांत देने वाले पहले व्यक्ति हिंदू महासभा के वी.डी. सावरकर थे। मुस्लिम लीग ने करीब एक दशक बाद पाकिस्तान की मांग को राजनीतिक मुद्दा बनाया।

इसलिए डॉ राम मनोहर लोहिया ने अपनी प्रसिद्ध किताब 'भारत विभाजन के गुनहगार' में लिखा है कि,"हिंदू कट्टरवाद उन शक्तियों में शामिल था, जो भारत के विभाजन का कारण बनीं... जो लोग आज चिल्ला-चिल्लाकर अखंड भारत की बात कर रहे हैं अर्थात आज का जनसंघ और उसके पूर्ववर्तियों; जो हिंदू धर्म की गैर हिंदू परंपरा के वाहक थे, ने भारत का विभाजन करने में अंग्रेजों और मुस्लिम लीग की मदद की। उन्होंने कतई यह प्रयास नहीं किया कि हिंदू और मुस्लिम नजदीक आएं और एक देश में रहें। बल्कि उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के परस्पर संबंधों को खराब करने के लिए हर संभव प्रयास किए और दोनों समुदायों के बीच यही अनबन और मनमुटाव भारत के विभाजन की जड़ बनी।" डॉ लोहिया भारत विभाजन के लिए तीन कारण मानते हैं; अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति और हिंदू महासभा तथा मुस्लिम लीग की सांप्रदायिक राजनीति। लेकिन आज की सत्ताधारी पार्टी अपने गुनाहों पर पर्दा डालकर मुसलमानों को विभाजन का दोषी साबित करना चाहती है। दरअसल, यह उसकी सांप्रदायिक विभाजनकारी दीर्घ परियोजना का ही हिस्सा है। भाजपा और संघ की राजनीति पाकिस्तान के विरोध और मुसलमानों के पैशाचीकरण पर ही टिकी हुई है।

आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में कई चुनौतियां थीं। हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिकता और सामाजिक-आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए संविधान में सेक्युलर और समाजवादी मूल्यों को स्थापित किया गया। संविधान सामाजिक क्रांति और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों का दस्तावेज बना। संवैधानिक मूल्यों और राजनीतिक परंपराओं के जरिए देश को एकताबद्ध करने और समावेशी विकास पर जोर दिया गया। दरअसल, भारतीय राष्ट्रवाद का यही असली मकसद था। गांधी की भाषा में अंतिम व्यक्ति की आंखों से आंसू पौंछना।

भारतीय राष्ट्रवाद का स्वरूप पश्चिम के राष्ट्रवाद से अलग है। धर्म, नस्ल या भाषा की विशिष्ट पहचान पर आधारित पश्चिमी राष्ट्रवाद साम्राज्यवाद और पूंजीवाद का पोषक है। जबकि भारतीय राष्ट्रवाद विदेशी साम्राज्यवाद, देसी सामंतवाद और सांस्कृतिक शोषण का विरोधी है। भारतीय

फोटो स्रोत: गूगल

फोटो स्रोत: गूगल

और मजबूत करने वाला है। इस राष्ट्रवाद में गांधी, लोहिया, नेहरू अंबेडकर, भगत सिंह, मौलाना आजाद सरीखे आंदोलनकारियों के विचार और सपने निहित हैं।

अर्नेस्ट रेनन के शब्दों में राष्ट्रवाद रोजाना का जनमत है। इस अर्थ में भारतीय राष्ट्रवाद निरंतर विकासशील है। भारतीय राष्ट्रवाद का मतलब कुछ नारे, रंग और प्रतीक नहीं हैं बल्कि इसका अर्थ बहुत व्यापक है। 'भारत के लोग' भारतीय राष्ट्रवाद की आत्मा हैं। लोगों की उन्नति से ही राष्ट्रवाद समृद्ध होता है। इसलिए आजादी के बाद हाशिए के समुदायों के उत्थान के लिए विशेष प्रावधान किए गए। किसानों, मजदूरों, दलितों, स्त्रियों, आदिवासियों के सवाल राजनीति के केंद्र में आए। इसके साथ समता, न्याय, बंधुत्व, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, एकता और अखंडता जैसे मूल्यों को मजबूत किया गया। वहीं समाज और राजनीति में कुछ सामंती और वर्णवादी ताकतें सक्रिय थीं, जो भारत को एक धार्मिक राष्ट्र बनाना चाहती थीं। चुनावी राजनीति के शुरुआती दौर में, सांप्रदायिक विभाजन के बावजूद, हिंदू

अर्नेस्ट रेनन के शब्दों में राष्ट्रवाद रोजाना का जनमत है। इस अर्थ में भारतीय राष्ट्रवाद निरंतर विकासशील है। भारतीय राष्ट्रवाद का मतलब कुछ नारे, रंग और प्रतीक नहीं हैं बल्कि इसका अर्थ बहुत व्यापक है। 'भारत के लोग' भारतीय राष्ट्रवाद की आत्मा हैं। लोगों की उन्नति से ही राष्ट्रवाद समृद्ध होता है

महासभा, जनसंघ, रामराज्य परिषद जैसे हिंदुत्ववादी संगठनों को मतदाताओं ने सिरे से खारिज कर दिया। हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति हाशिए पर चली गई। इसके बाद 80 के दशक में आरएसएस ने हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति को नए कलेवर में पेश किया। जनसंघ के स्थान पर 1980 में भाजपा की स्थापना हुई। इसने गांधीवादी समाजवाद को अपनी विचारधारा घोषित किया और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नारा दिया।

जनसंघ और हिंदू महासभा के घोषित वर्णवादी हिंदुत्व को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तले छिपाकर हिंदुत्ववादी शक्तियां नए अवतार में संगठित हुईं। संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज का विरोध करने वाली शक्तियों- भाजपा और संघ- ने इन प्रतीकों को राजनैतिक टूल्स बनाया। इनके साथ हिंदू धर्म के प्रतीकों को गड्डमड्ड कर दिया गया। इन प्रतीकों के मार्फत सेकुलर राजनीति की आलोचचना की जाने लगी। आजादी के आंदोलन में अंग्रेजों के साथ खड़ी रहीं, इन हिंदू राष्ट्रवादी शक्तियों ने सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और सरदार पटेल जैसे आंदोलनकारियों को भगवा खेमे में समेटने की कोशिश की। पिछड़ी जातियों को मिले आरक्षण के विरोध को हवा देते हुए भाजपा

ने राम मंदिर आंदोलन की राजनीति शुरू की। मंदिर आंदोलन से उपजी हिंदू अस्मिता भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का केंद्रीय मुद्दा बनकर उभरी। इतिहास में यह घटना मंडल के बरक्स कमंडल की राजनीति के रूप में दर्ज है।

हिंदुत्व के सिद्धांतकार वी.डी. सावरकर ने हिंदू राष्ट्र के लिए तीन दुश्मन घोषित किए- कम्युनिस्ट, मुस्लिम और ईसाई। विभाजन से उपजी सांप्रदायिकता के सहारे पाकिस्तान और मुसलमान स्थाई शत्रु घोषित कर दिए गए। यानी पश्चिमी राष्ट्रवाद की तर्ज पर बाहरी शत्रु 'पाकिस्तान' और भीतरी शत्रु 'मुसलमान'; सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के स्थाई टूल बना दिए गए। करीब चालीस साल बाद 90 के दशक में हिंदू राष्ट्रवाद को पुनर्जीवित किया गया। बीसवीं सदी के अंतिम दशक में दक्षिणपंथी भाजपा, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अपनी सरकार बनाने में कामयाब हुई। इस दरमियान अनेक प्रांतों में भी भाजपा की सरकारें बनीं। नतीजे में संघ की प्रयोगशाला में हिंदुत्व की वैचारिकी और उसके संगठन अधिक तीखे बनकर उभरे।

पिछले एक दशक में क्रमशः सांस्कृतिक राष्ट्रवाद विशुद्ध धार्मिक राष्ट्रवाद के रूप में सामने आ गया। भारतीय संस्कृति का चोला उतारकर ये शक्तियां अब खुलेआम सांप्रदायिकता को पोस रही हैं। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' बोलने वाले अब जय श्रीराम का घोष कर रहे हैं। विडंबना यह है कि लिंचिंग करने वाली भीड़ भी राम का जयघोष करती है। किसी दलित, मुस्लिम या स्त्री पर हमला करने वाले भी राम के जयघोष से अपने अपराध को न्यायसम्मत दिखा रहे हैं। इन घटनाओं पर शासन-प्रशासन कभी आंखें मूंद लेता है तो कभी हत्यारों के साथ खड़ा हो जाता है। अब राष्ट्रध्वज तिरंगे से ज्यादा भगवा और पार्टी का झंडा लहराया जाता है लेकिन, भगवा झंडा धर्म से ज्यादा भय का प्रतीक बन गया है। कभी पार्टी के झंडे तले तिरंगे की आन-बान को दबाने में भी संकोच नहीं किया जाता। हाल ही में यूपी के दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के शव पर उढ़ाए गए तिरंगे को कमल के फूल वाले भाजपाई झंडे से ढक दिया गया।

दरअसल, स्वाधीनता आंदोलन के प्रतीकों की राजनीति के सहारे सत्ता में पहुंचे दक्षिणपंथी अब पूरी निर्लज्जता के साथ अपने मूल एजेंडे पर लौट आए हैं। एक चक्र पूरा करते हुए दक्षिणपंथी विभाजन की स्मृति में संविधान, उसमें निहित मूल्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्थान पर हिंदू राष्ट्र के सपने को साकार करने के लिए उद्यत हैं। वही हिंदू राष्ट्र ; जिसके लिए कभी बाबा साहब डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि इसे किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

फोटो स्रोत: गूगल

आजादी का अर्थ है बराबरी और भाईचारा

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

समाजवादी पार्टी उस समय उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव में उतर रही है जब संयोग से एक ओर देश की आजादी के 75 साल पूरे हुए हैं यानी उसका अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर अक्टूबर 2022 में समाजवादी पार्टी की स्थापना के 30 साल पूरे होने वाले हैं । इसी के साथ पटना में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के गठन के 88 साल होने वाले हैं।

यह ऐसा समय है जब देश में स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों की संकीर्ण व्याख्याएं चल पड़ी हैं। राज्यों की स्वायत्तता से लेकर नागरिकों तक की स्वायत्तता को कमजोर किया जा रहा है। दुनिया के मानदंडों पर भारत के लोकतंत्र का दर्जा घटा दिया गया है। भारत के प्रेस की आजादी को भी कमजोर कर दिया गया है। ऐसे समय में समाजवादी पार्टी के युवजनों की विशेष भूमिका बनती है। वह भूमिका इसलिए भी बनती है कि उसका नेतृत्व अखिलेश यादव जैसे युवा के हाथों में है और देश के संवैधानिक मूल्यों के सामने पहाड़ जैसी चुनौतियां खड़ी हैं।

यह चुनौतियां हैं— कौमी एकता बनाए रखने, आर्थिक बराबरी और तरक्की सुनिश्चित करने एवं देश को अंधविश्वास और जातिवाद से निकालकर समतामूलक समाज की ओर ले जाने की चुनौती। इसी चुनौती को सामने रखते हुए समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया एक ओर सप्त क्रांति की बात करते थे तो दूसरी ओर समाजवाद की व्याख्या करते हुए उसे समता और समृद्धि के रूप में देखते थे। वे उसे लाने के लिए सिविल नाफरमानी और सत्याग्रह के हथियार के

प्रयोग का सुझाव देते थे।

सन 2020 में अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस ने 167 देशों में लोकतंत्र का जो मूल्यांकन किया है उसमें भारत की रैंकिंग 2019 के बाद दो प्वाइंट और सरक गई है और अब वह 53 वें नंबर पर आ गई है। ध्यान देने की बात है कि सन 2014 में भारत की रैंकिंग 27 थी। यानी मोदी सरकार के आने के सात साल के भीतर वह एक चुनावी अधिनायकतंत्र में बदल गया है। इसका मतलब है कि विपक्षी कार्यकर्ताओं का दमन किया जाता है विपक्षी राजनेताओं को कानून की सभी धाराओं में मुकदमे लगाकर उन्हें जेल में सड़ाया जाता है।

इसी तरह फ्रांसीसी संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के अनुसार दुनिया के 180 देशों के पैमाने पर भारत की रैंक 142 वीं है। यानी भारत पत्रकारों के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में एक है। इस बीच कोरोना महामारी के दौरान जहां उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में कई श्रम कानूनों को मुअत्तल किया गया है वहीं केंद्र से कृषि संबंधी तीन कानूनों को पास करके किसानों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बाजार की मर्जी पर छोड़ दिया गया है। महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर मजदूरों का पलायन हुआ। देश में तकरीबन 12.29 करोड़ लोग बेरोजगार हुए हैं।

आज देश और प्रदेश का युवा ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां एक ओर उसके सामने नोटबंदी, जीएसटी और महामारी से तबाह अर्थव्यवस्था से उबरने की चुनौती है वहीं दूसरी ओर धर्म, जाति व राष्ट्रवाद के नाम पर देश में नफरत और दमन का ऐसा माहौल बनाया गया है कि उससे भी जूझ कर उसे कौमी एकता कायम करनी है और देश में सच्चे राष्ट्रवाद और धर्म की स्थापना करनी है। एक ओर पशु को मनुष्य से श्रेष्ठ बताकर उसकी रक्षा के नाम इंसानों को मारा जा रहा है तो दूसरी ओर कौमी एकता के लिए जरूरी अंतरधार्मिक और अंतरजातीय विवाहों को कहीं लव जेहाद के कानून के माध्यम से रोका जा रहा है तो कहीं अंतरजातीय विवाहों को रोकने के लिए युवाओं की हत्याएं की जा रही हैं। प्रेम करने वाले युवाओं को आपरेशन मजनूं के तहत निशाने पर लिया जा रहा है। निवारक नजरबंदी कानूनों जैसे गैंगेस्टर एक्ट, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम और यूएपीए जैसे कानूनों के अधिकतम प्रयोग की होड़ मची है। मुठभेड़ में मारे जाने और किसी के घर और व्यापार को तबाह करने का रास्ता तो खुला ही है। जिस तरह से सूचना प्रौद्योगिकी यानी डिजिटल प्रौद्योगिकी को माध्यम से झूठ यानी पोस्ट ट्रुथ या उत्तर सत्य का प्रचार किया जा रहा है उसका भी मुकाबला इस प्रौद्योगिकी को संभालने वाले युवा को करना है।

संकट के इस समय को देश के कई विद्वान अघोषित आपातकाल कह रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस दौरान लोकतंत्र को जो क्षति हुई है उससे उबरने में काफी समय लगेगा। ऐसे समय में डॉ राममनोहर लोहिया का 23 जून 1962 को नैनीताल में दिया गया व्याख्यान-- निराशा के कर्तव्य-- याद आता है। डॉ लोहिया युवाओं को लक्ष्य करते हुए देश को जगाने का काम करते थे और

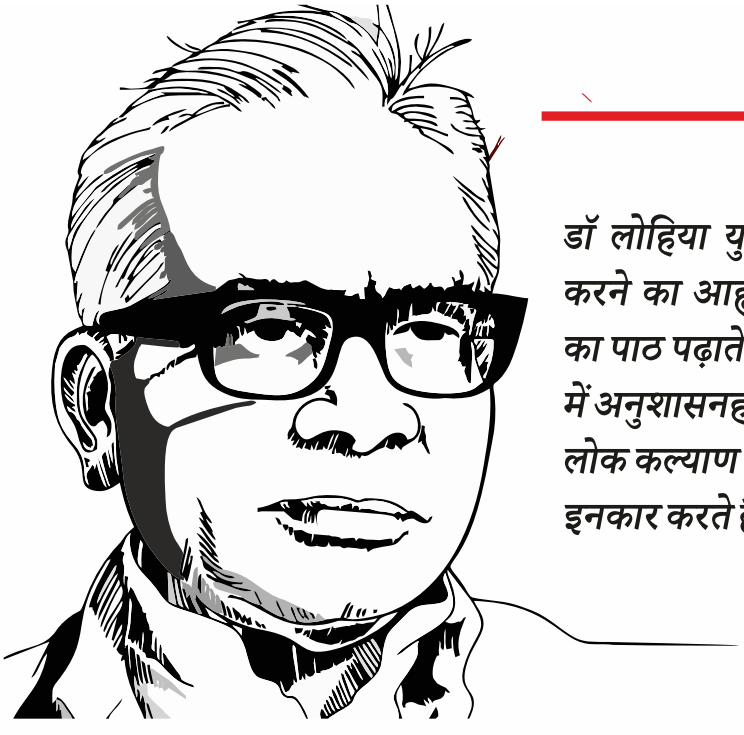

डॉ लोहिया युवाओं से सत्याग्रह और सिविल नाफरमानी करने का आह्वान करते हुए `परमार्थिक अनुशासनहीनता' का पाठ पढ़ाते हैं। उसका अर्थ है कि अगर आप निजी स्वार्थ में अनुशासनहीनता करते हैं तो वह नाजायज है लेकिन अगर लोक कल्याण में वैसा करते हैं और किसी कानून को मानने से इनकार करते हैं तो वह जायज है।

इसलिए इतिहास की एकदम अलग व्याख्या करते थे। उनकी व्याख्या हिंदू और मुस्लिम आधार पर की जाने वाली व्याख्या नहीं थी। वह अन्याय, असमानता और अत्याचार के विरुद्ध होने वाले आंदोलन और क्रांति के आधार पर निर्मित होती थी। वह अत्याचारी चाहे बाहरी हो या आंतरिक। वे सबके विरुद्ध विद्रोह करने की शिक्षा देते थे। उन्होंने कहा था कि भारत के लोगों ने अंदरूनी जालिम के विरुद्ध पिछले 1500 सालों में कोई क्रांति नहीं की।

इस क्रांति की आवश्यकता और इसकी विडंबना को प्रस्तुत करते हुए वे कहते हैं, "अजीब हालत है कि जिनको क्रांति चाहिए, उसके अंदर शक्ति है ही नहीं और वह शायद सचेत होकर उसकी चाह रखता ही नहीं और जिसे क्रांति कर लेने की शक्ति है, उसको क्रांति चाहिए नहीं या तबीयत नहीं है। यह मोटे तौर पर राष्ट्रीय निराशा की बात है। अंग्रेजों ने चार या पांच बार अंदरूनी जालिम के खिलाफ बगावत की, रानी मेरी के खिलाफ बगावत की, चार्ल्स के खिलाफ बगावत की, यहां तक कि क्रामवेल जो उनका अपना चुना हुआ नेता था उसके खिलाफ बगावत की। जर्मनी में कितनी बगावत हो चुकी है। उसका अपना कैसर था जालिम उसे खत्म किया। रूस वगैरह ने देसी जालिम के खिलाफ बगावत की। फ्रांस में अब तक 8-10 बगावतें हो चुकी हैं। लेकिन अंदरूनी जालिम के खिलाफ भारत में अब तक बगावत नहीं हुई।"

इसलिए डॉ लोहिया को समन्वय की भावना हर हाल में अच्छी नहीं लगती थी। वे झुकने को समन्वय मानने को तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि समन्वय दो किस्म के होते हैं। एक दास का समन्वय और दूसरा स्वामी का समन्वय। स्वामी किसी भी चीज को परख कर समन्वय करता है और गुलाम परखता नहीं। जो भी नई चीज है, पराई चीज है और ताकतवर है, वह उसे अपना लेता है।

लगता है आज देश में यही हो रहा है। जो भी ताकतवर है उसकी भाषा को उसके कपड़े को और उसके नारों को लोग आंख मूंदकर अपना रहे हैं। बिना यह सोचे कि इससे समाज का कितना भला होना है, युवाओं का कितना भला होना है और देश बचेगा या टूटेगा , इसे जाने बिना वह उसे अपना लेता है।

राजनीति का उद्देश्य है तात्कालिक परिवर्तन और धर्म का उद्देश्य है दीर्घकालिक नैतिक आचरण स्थापित करना। अगर इन दोनों उद्देश्यों का विवेकपूर्ण मिलन होगा तो लोककल्याण होगा। लेकिन धर्म और राजनीति के अविवेकी मिलन से विनाश का सृजन होता है

इस स्थिति के कारणों की पड़ताल करते हुए डॉ लोहिया कहते हैं कि अपने देश में लालच और बंदूक के अलावा मंत्र का तरीका भी है। मंत्र की, शब्द की, दिमागी बात की धर्म के सूत्र की इतनी जबरदस्त शक्ति है कि जो दबा है, गैर बराबर है, आधा मुर्दा है, छोटी जाति का है, वह खुद अपनी अवस्था में संतोष प्राप्त कर लेता है।

डॉ लोहिया का कहना था कि समाजवादियों को समझना होगा कि उनकी राजनीति सिर्फ सत्ता प्राप्ति की नहीं है। उनकी राजनीति पैगंबरी भी है। पैगंबरी राजनीति समाज में परिवर्तन करती है। आज के धर्म और राजनीति के रिश्तों की बारीकी और जटिलता को स्पष्ट करते हुए वे कहते हैं कि धर्म एक दीर्घकालिक राजनीति है और राजनीति अल्पकालिक धर्म। इसलिए बहुप्रचारित सेक्युलर अर्थों में धर्म को राजनीति से अलग करना संभव नहीं है। राजनीति का उद्देश्य है तात्कालिक परिवर्तन और धर्म का उद्देश्य है दीर्घकालिक नैतिक आचरण स्थापित करना। अगर इन दोनों उद्देश्यों का विवेकपूर्ण मिलन होगा तो लोककल्याण होगा। लेकिन धर्म और राजनीति के अविवेकी मिलन से विनाश का सृजन होता है। राजनीति कलही और भ्रष्ट हो जाती है। वही जो आज हो रहा है। ऐसे में युवाओं को समझना होगा कि किस तरह से राजनीति और धर्म के मर्म को समझते हुए उसके अविवेकी मिलन को हंस की तरह अलग करें।

डा लोहिया युवाओं से सत्याग्रह और सिविल नाफरमानी करने का आह्वान करते हुए ` परमार्थिक अनुशासनहीनता' का पाठ पढ़ाते हैं। यह सैद्धांतिक शब्द उन्होंने युवा समाजवादी नेता और समाजवादी पार्टी के दिवंगत सांसद ब्रजभूषण तिवारी को लिखे एक पत्र में दिया था। उसका अर्थ है कि अगर आप निजी स्वार्थ में अनुशासनहीनता करते हैं तो वह नाजायज है लेकिन अगर लोक कल्याण में वैसा करते हैं और किसी कानून को मानने से इनकार करते हैं तो वह

जायज है। वह पत्र ब्रजभूषण तिवारी को लिखा गया था लेकिन था वह देश के युवाओं को संबोधित। वह आज के युवाओं और उनके आंदोलनकारी कार्यक्रमों का घोषणा पत्र है।

उसी सिलसिले में महात्मा गांधी ने युवाओं को रचनात्मक कार्यक्रम की जो सूची दी थी उसमें कौमी एकता पहले नंबर पर थी। सन 1941 में दी गई उनकी यह सूची आज 2021 में यानी 80 साल बाद भी प्रासंगिक है। युवाओं की राजनीति में उम्र की सीमा तय करने के लिए टीएसआर सुब्रमण्यम कमेटी और लिंगदोह कमेटी की रिपोर्ट आ चुकी है जो विश्वविद्यालयों की छात्र राजनीति को एक अराजनीतिक बनाती है। लेकिन उससे भी चिंता की बात यह है कि आज विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों पर एक खास विचार के युवा संगठन का कब्जा होता जा रहा है। वे तय कर रहे हैं कि क्या पढ़ाया जाए क्या बोला जाए और क्या लिखा जाए, क्या खाया जाए और किस चीज का उत्सव मनाया जाए।

ऐसे कठिन समय में महात्मा गांधी की कौमी एकता का कार्यक्रम अहम हो जाता है। गांधी का कहना था कि कौमी एकता का मतलब राजनीतिक एकता नहीं है। राजनीतिक एकता तो जोर जबरदस्ती से लागू की जा सकती है। मगर एकता के मायने हैं दिली दोस्ती। दोस्ती जो किसी के तोड़े न टूटे। .....(आप) किसी भी धर्म के मानने वाले हों अपने को हिंदू, मुसलमान, ईसाई, पारसी वगैरह सभी का नुमाइंदा समझें। हिंदुस्तान के करोड़ों वाशिंदों के साथ अपनेपन का आत्मीयता का अनुभव करें। उनके सुख दुख में अपने को उनका साथी समझें। इस तरह की आत्मीयता सिद्ध करने के लिए वह अपने धर्म से भिन्न धर्म का पालन करने वालों के साथ निजी दोस्ती को और अपने धर्म के लिए उनके मन में जैसा प्रेम हो ठीक वैसा ही प्रेम वह दूसरों के साथ करें।

कौमी एकता का यह प्रयास किस तरह से किया जाना चाहिए इस बारे में भी गांधी ने राष्ट्रीय प्रतीकों को किसी पर जबरदस्ती लादने से सावधान किया था। उन्होंने कहा था कि वंदे मातरम गाने या राष्ट्रीय झंडा फहराने के बारे में किसी के साथ जबरदस्ती न करें। राष्ट्रीय झंडे या बिल्ले को खुद लगाएं लेकिन किसी दूसरे को उसके लिए मजबूर न करें। तिरंगे झंडे के संदेश को अपने जीवन में उतारकर अपने दिल में सांप्रदायिकता और अस्पृश्यता को घुसने न दें।

इसलिए समाजवादी युवाओं से यह अपील की जा सकती है कि इस डिजिटल दौर में वे झूठ के विरुद्ध सत्य के अनुसंधान की आदत डालें और उसे स्थापित करें। अफवाहों का समय रहते खंडन और मुकाबला करें। नफरत की जगह पर प्रेम की गहराई को समझें और उसका प्रचार करें। मनुष्य को हमेशा पशु से श्रेष्ठ समझें और कभी भी किसी पशु की रक्षा के लिए अपने भाई या मनुष्य के साथ हिंसा न करें। गांधी जी चाहते थे कि युवा जो कुछ करें वह खुल्लम खुल्ला करें। लुक छिप कर न करें। उनका मन एकदम शुद्ध हो। यानी युवाओं को सत्ता प्राप्ति के साथ पैगंबरी राजनीति का स्मरण रखना चाहिए। उन्हें आजादी के 75 वें वर्ष में, समाजवादी पार्टी की स्थापना के 30 वें वर्ष में और 2022 के सबसे महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण चुनाव में अपने विचार और कर्म की शुद्धता के साथ हस्तक्षेप करना चाहिए और समता और समृद्धि की स्थापना करनी चाहिए।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

समाजवादियों ने लिया देश को मजबूत करने का संकल्प

पूर्व रक्षा मंत्री श्री मुलायम सिंह यादव ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2021 को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी है। नेताजी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मिल रही चुनौतियों से मिलकर निपटना होगा। हमें देश को मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने देश-प्रदेश के समस्त नागरिकों और दुनिया भर के भारतवंशियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त शहीदों को याद करने का दिन है, जिनके बलिदान से आज हम स्वतंत्र हैं। हमें आंतरिक स्वतंत्रता की रक्षा-सुरक्षा के लिए भी निरंतर सजग, सचेत, सतर्क, सक्रिय और संकल्पबद्ध रहना होगा। देश की आजादी के लिए लाखों लोगों ने अपने प्राण न्योछावर किये और अनेको स्वतंत्रता सेनानियों ने यातनाएं सही थी। जिन उद्देश्यों के लिए स्वतंत्रता आंदोलन का संघर्ष हुआ क्या भारत उसी रास्ते पर है? यह सोचने का विषय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव देश का सम्मान बचाने का चुनाव है। यह जिम्मेदारी एक-एक नौजवान को उठानी चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों ने जनता से किया एक भी वादा पूरा नहीं किया। सबसे अधिक उत्पीड़न एवं अन्याय पिछड़ों-दलितों के साथ हुआ है। उनका संवैधानिक अधिकार आज तक नहीं मिला। 1931 के बाद देश में जातीय जनगणना ही नहीं हुई। भाजपा जातियों में झगड़ा लगाती है। आबादी के अनुसार सबको हक और सम्मान मिलना चाहिए। सामाजिक न्याय की अवधारणा को साकार करने के लिए जब आबादी के हिसाब से आंकड़े आयेंगे तभी आनुपातिक अवसर की सुविधा सबको मिल सकेगी।

भारत में विभिन्न जाति, धर्म वेशभूषा के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। यही हमारे देश की पहचान है। लेकिन सत्ताधारी लोग गंगा-जमुनी तहजीब खत्म करना चाहते हैं। भाजपा की मंशा देश की पहचान को समाप्त करने की है। हम समाजवादियों की कोशिश होनी चाहिए कि समाज में एक दूसरे से प्यार और सहयोग बढ़े। सामाजिक सौहार्द बढ़ाने की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए।

भाजपा सरकार ने किसानों के सामने संकट पैदा किया है। अन्नदाता को अपमानित कर भाजपा अन्न महोत्सव का ढोंग रच रही है। किसानों के खुशहाल हुए बिना देश समृद्ध नही हो सकता। किसान ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। सरकार की

लापरवाही से कोविड में लाखों लोगों की जान चली गयी। आम जनता को दवाई, बेड एवं आक्सीजन उपलब्ध कराने में बीजेपी सरकार पूरी तरह विफल रही है।

देश की अधिकांश आबादी युवा है। नौजवानों के रोजगार एवं पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होगी तो उनका भविष्य क्या होगा? देश की सीमाओं के मुद्दे पर जो मजबूती दिखानी चाहिए वह भाजपा सरकार ने कभी नहीं दिखाई।

समाजवादी सरकार में तरक्की और खुशहाली की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए थे। उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़के, अस्पताल और नौजवानों के रोजगार में समाजवादियों का महत्वपूर्ण योगदान है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा देशहित में कार्य किया है। देश को प्रगति के रास्ते पर ले जाना है तो पूंजी और सत्ता की हिंसा से अलग समाजवाद का ही विकल्प अपनाना होगा।

इस अवसर पर सर्वश्री उदय प्रताप सिंह, किरणमय नंदा, अहमद हसन, राजेन्द्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सुना है बातों की खेती करनेवाली भाजपा यूपी में 'किसान सम्मेलन' करेगी। अन्नदाता का मतदाता बनने का समय जब निकट आया तब जाकर भाजपा को किसानों की याद आयी। किसान भाजपाइयों के बहकावे-फुसलावे में नहीं आनेवाले।

2022 में किसान एकजुट होकर भाजपा के ख़िलाफ़ मतदान करेंगे।

#बाइस_में_बाइसिकल

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पार्टी कार्यालय में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा सरकार में शासन-प्रशासन द्वारा महिलाओं का उत्पीड़न लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्नाव के गाँवों और बस्तियों के बाद अब शहरों से भी महिलाओं के साथ सरेआम दुर्व्यवहार किए जाने के समाचार मिल रहे हैं।

उन्नाव की महिलाएँ भाजपा के समय हुए अपमान को कभी नहीं भूलेंगी।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हम हैं किसान आंदोलन के साथ!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

प्राइमरी में भर्ती की माँग कर रहे छात्रों को जिस तरह भाजपा सरकार की पुलिस ने सड़क पर घसीटा व गिरफ़्तार किया है, वो बेहद निंदनीय है।

अगर ईमानदार जाँच हो जाए तो यूपी की भाजपा सरकार के 4 लाख नौकरियों का दावा झूठा साबित होगा पर युवाओं पर 4 लाख लाठियां बरसाने का तथ्य, सच्चा निकलेगा।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मथुरा में दिनदहाड़े करोड़ों की और गोरखपुर में लाखों की लूट ने एनकाउंटरवाली भाजपा सरकार के समय ध्वस्त हो चुकी 'क़ानून-व्यवस्था' की क़लई खोलकर रख दी है।

लगता है यूपी में अपराधियों ने भाजपा सरकार का ही एनकाउंटर कर दिया है।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा के आंदोलन के आगे अंततः आरक्षण विरोधी भाजपा को झुकना ही पड़ा। भाजपा ने लाख हथकंडे और चालें चलीं पर आख़िर उसे मेडिकल में 27% OBC व 10% EWS का सांविधानिक अधिकार देना ही पड़ा।

ये सपा के सामाजिक न्याय के संघर्ष की जीत है।

इस जीत के बाद हम 2022 भी जीतेंगे।

#बाइस_में_बाइसिकल

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा का झूठ सबको बताएंगे
भाजपाइयों को आईना दिखाएंगे

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सपा के आंदोलन के आगे अंततः आरक्षण विरोधी भाजपा को झुकना ही पड़ा। भाजपा ने लाख हथकंडे और चालें चलीं पर आख़िर उसे मेडिकल में 27% OBC व 10% EWS का सांविधानिक अधिकार देना ही पड़ा।

ये सपा के सामाजिक न्याय के संघर्ष की जीत है।

इस जीत के बाद हम 2022 भी जीतेंगे।

#बाइस_में_बाइसकिल

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Cycle yatra 2021
वोट भी बढ़ायेंगे ~ बूथ भी जितायेंगे!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये हैं उप्र की भाजपा सरकार में युवाओं की दुर्दशा की तस्वीरें!

भाजपा राज में युवक-युवतियों की आवाज़ सुननेवाला कोई नहीं है। निराश-हताश युवा अब अपनी समस्याओं की ओर ध्यानाकर्षण के लिए किसी भी हद तक जोखिम उठाने के लिए मजबूर भी हैं और तैयार भी।

#युवा_विरोधी_भाजपा
#नहीं_चाहिए_भाजपा

14:08

← Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा सरकार में शासन-प्रशासन द्वारा महिलाओं का उत्पीड़न लगातार बढ़ता जा रहा है। उप्र के गाँवों और बस्तियों के बाद अब शहरों से भी महिलाओं के साथ सरेआम दुर्व्यवहार किए जाने के समाचार मिल रहे हैं।

उप्र की महिलाएँ भाजपा के समय हुए अपमान को कभी नहीं भूलेंगी।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Tweet your reply

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जैवलिन थ्रो में शानदार जीत हासिल कर भारत को प्रथम स्वर्ण पदक दिलाने वाले @Neeraj_chopra1 जी को इस ऐतिहासिक विजय की हार्दिक बधाई।

#NeerajChopra #OlympicGames
#Tokyo2020 #Gold

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

स्व. चौधरी अजीत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के मौन क्षण।

Translate Tweet

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 68 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

समाजवादी पार्टी

www.samajwadiparty.in

फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं,
धूसरता सोने से श्रृंगार सजाती है;
दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

-रामधारी सिंह दिनकर

#नहींचाहिएभाजपा